Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 29 ▫ अंक- 172 ▫ रायपुर, बुधवार 15 जुलाई 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

सदन में गूंजा नकटी में बुलडोजर कार्रवाई का मामला

छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र

स्थगन प्रस्ताव खारिज होने पर नाराज़ विपक्ष ने गर्भगृह में जाकर की नारेबाजी, सभी विपक्षी विधायक निलंबित

रायपुर, 15 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज नकटी में हुए बुलडोजर कार्रवाई का मामला जोर शोर से गूंजा। विपक्ष के 35 सदस्यों ने इस पर स्थगन की सूचना दी थी। शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, उमेश पटेल, देवेंद्र यादव समेत अन्य सदस्यों ने कहा कि सरकार को ठीक बरसात में यह कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ी। विधायक निवास के नाम पर की गई इस कार्रवाई से उनका नाम बदनाम हुआ है। इनके उचित व्यवस्थान की जरूरत बताते हुए विपक्ष ने इस महत्वपूर्ण विषय पर लाये गये स्थगन पर चर्चा कराने की मांग की। स्पीकर के निर्देश पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने इसे नियमानुसार कार्यवाही बताते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों की उचित व्यवस्थापन करते हुए उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। शासन का जवाब आने के बाद स्पीकर डॉ रमन सिंह ने विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव को खारिज करते हुए चर्चा की अनुमति नहीं दी । इससे नाराज़ विपक्ष के सभी सदस्य नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में पहुंच गए। इस पर विपक्ष के सभी विधायक सदन की कार्यवाही से निलंबित हो गये। थोड़ी देर बाद ही स्पीकर ने इनका निलंबन वापस ले लिया और विपक्ष ने पुनः चर्चा में भाग लिया।

गुजरात में ब्लैकलिस्टेड दवाइयों की प्रदेश में सप्लाई पर विपक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री को घेरा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन गुजरात में ब्लैकलिस्टेड दवाइयों की छत्तीसगढ़ में सप्लाई का मुद्दा विपक्ष ने उठाया. नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के साथ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अनुपस्थिति में कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को विषय पर घेरा। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि जो दवाइयां गुजरात मे बैन है. उसे छत्तीसगढ़ में बैन क्यों नहीं की. कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मरीजों को बिना क्वालिटी की दवाई सप्लाई हो रही है. क्या हम प्री टेस्ट नहीं करा रहे हैं? स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सीजीएमएससी के नियम पहले से बने हुए हैं. हम प्री टेस्ट नहीं कराते हैं, लेकिन जब दवाई आ जाती है, तब हम अपनी लैब में टेस्ट कराते हैं।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल की अनुपस्थिति में विधायक अटल श्रीवास्तव ने पूछा कि क्या यह सत्य है कि दवा निर्माता कंपनी मेसर्स 'यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड' द्वारा प्रदायित एस्पिरिन टैबलेट्स आइपी' गुणवत्ता मानकों पर विफल होने के कारण गुजरात राज्य द्वारा ब्लैकलिस्टेड की गई थी? यदि हाँ, तो क्या इसकी आधिकारिक संसूचना छत्तीसगढ़ शासन या सीजीएमएससी को प्राप्त हुई थी?

इसके साथ विधायक ने पूछा कि क्या यह भी सत्य है कि छत्तीसगढ़ में इसी अमानक औषधि के क्रय एवं आपूर्ति आदेश को त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई? यदि हाँ, तो स्थापित वित्तीय नियमों को शिथिल करने हेतु कौन से लोकसेवक उत्तरदायी हैं? इस प्रतिबंधित अवधि के दौरान या उसके बाद उक्त कंपनी से कुल कितनी मात्रा एवं किस संविदा दर पर औषधियां क्रय की गईं? कुल कितना वित्तीय भुगतान किया गया तथा क्या क्रय-पूर्व अनिवार्य बैच-परीक्षण संपन्न कराया गया था? क्रय नियमों के इस गंभीर उल्लंघन पर विभाग द्वारा दोषी अधिकारियों एवं क्रय समिति के विरुद्ध अब तक की गई दंडात्मक कार्रवाई का पूर्ण विवरण क्या है?

जवाब में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह सत्य है कि गुजरात मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दवा निर्माता कंपनी मेसर्स यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड के औषधि एस्पिरिन टैबलेट्स आइपी (एस्पिरिन गैस्ट्रो-रजिस्टेन्ट टैबलेट्स आइपी 150 मिलीग्राम एवं एस्पिरिन गैस्ट्रो-रजिस्टेन्ट टैबलेट्स आइपी 75 मिलीग्राम) को गुणवत्ता मानकों पर विफल होने के कारण ब्लैकलिस्ट की गई थी. उक्त के संबंध दिनांक 25.03.2026 को फर्म यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड द्वारा सीजीएमएससी लिमिटेड को सूचना प्राप्त हुई थी।

इसके साथ मंत्री ने कहा कि यह सत्य नहीं है कि छत्तीसगढ़ में इसी अमानक औषधि के क्रय एवं आपूर्ति आदेश को त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई थी. अपितु सत्य तो यह है कि सीजीएमएससी लिमिटेड द्वारा फर्म यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड को औषधि एस्पिरिन टैबलट्स आइपी 75 मिलीग्राम (अनकोटेड टैबलेट) की आपूर्ति हेतु क्रय आदेश जारी किया गया था, जो कि इंडियन फॉर्माकोपिया 2022 अनुसार, गुजरात मेडिकल सर्विसेस कॉपेरिश लिमिटेड द्वारा प्रतिबंधित किए गए औषधि (एस्पिरिन गैस्ट्रो-रजिस्टेन्ट टैबलेट्स आइपी 150 मिलीग्राम एस्पिरिन गैस्ट्रो-रजिस्टेन्ट टैबलेट्स आइपी 75 मिलीग्राम) से भिन्न है।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि दोनों औषधियां भिन्न है, तथा एहतियातन एवं जनहित को दृष्टिगत रखते हुए फर्म द्वारा सूचना प्राप्त होने पर औषधि एस्पिरिन टैबलट्स आइ 75 मिलीग्राम (अनकोटेड टैबलेट) के जारी किये गये क्रय आदेशों एवं दर-अनुबंध को निरस्त कर दिया था।

ब्रेकिंग न्यूज

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से बरी हुए आरोपी के खिलाफ दी सुनवाई की अनुमति

बिलासपुर, 15 जुलाई (हाईवे चैनल)। सूरजपुर जिले में गर्भवती युवती की हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट से बरी हुए आरोपी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की अपील स्वीकार करते हुए बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ सुनवाई के लिए अनुमति दी है। हाई कोर्ट ने कहा कि डीएनए और फारेंसिक साक्ष्यों के मद्देनजर ट्रायल कोर्ट के बरी करने के फैसले की अपीलीय स्तर पर गहन जांच जरूरी है। पूरा मामला सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के तारा चौकी का है। 2 दिसंबर 2023 को जंगल में एक अज्ञात महिला का अधजला शव मिला था। पुलिस ने जांच में शव की पहचान के बाद मृतका के प्रेम संबंध के आधार पर अतवार सिंह मरावी को गिरफ्तार किया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः दो आरोपियों को रिमांड पर लेकर जेल से निकली पुलिस

नई दिल्ली, 15 जुलाई (न्यूज चैनल)। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस बुधवार सुबह जिला जेल से आरोपी रमाशंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव को 14 घंटे की कस्टडी रिमांड के लिए लेकर निकल गई। सुबह करीब 8:10 बजे पुलिस टीम जिला जेल पहुंची। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को अपने साथ ले गई। इसके बाद उन्हें पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया। मेडिकल परीक्षण के बाद पुलिस लाइन परिसर में दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ होगी। पूछताछ के आधार पर उनकी निशानदेही पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी भी की जाएगी। इस दौरान पुलिस लाइन के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा।

मणिपुर में असम राइफल्स कैंप पर भीड़ का हमला, 3 वाहन फूंके; तलाशी अभियान के बाद भड़की हिंसा

नई दिल्ली, 15 जुलाई (न्यूज चैनल)। मणिपुर के सेनापति जिले में असम राइफल्स के एक कैंप पर मंगलवार रात हिंसक भीड़ ने हमला कर दिया। भीड़ ने कैंप पर पथराव किया, तोड़फोड़ की और सुरक्षा बलों के तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया। यह घटना उस तलाशी अभियान के कुछ घंटे बाद हुई, जिसे असम राइफल्स ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया था। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, असम राइफल्स को सूचना मिली थी कि माकुइलोंगदी इलाके में हथियारबंद उग्रवादी मौजूद हैं।

चूहा- सुनती हो, राम मंदिर चढ़ावा मामले में एसआईटी ने चंपत राय को क्लीन चिट दे दिया।

चुहिया- हां जी, लोग चंपत का मतलब चंपत ही समझते थे।

सड़क हादसाः ट्रेलर की टक्कर से पिता-पुत्र की हुई मौत

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, 15 जुलाई (हाईवे चैनल)। पेंड्रा नगर में आज एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। मुख्य मार्ग पर स्थित राय पेट्रोल पंप के पास कोयले से भरे एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रेलर ने स्कूटी सवार परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार पिता और उनके मासूम पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार पेंड्रा के कुडकई गांव का रहने वाला था। वे सभी स्कूटी पर सवार होकर गांव से पेंड्रा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान राय पेट्रोल पंप के पास सामने से एक बड़ी गाड़ी आ रही थी, तभी कोयले से लदे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें ओवरटेक करने की कोशिश की। रफ्तार अधिक होने के कारण ट्रेलर स्कूटी को अपनी चपेट में लेते हुए रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार तीनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे।

घटना के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सजग नागरिकों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। मौके पर पहुँची डायल-112 की टीम ने घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने जांच के बाद कुड़कुई निवासी पिता तेरस भरिया (35) और उनके पुत्र राजू भरिया (14) को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल मां का इलाज अस्पताल में जारी है, जिनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद भाग रहे ट्रेलर को सजग ग्रामीणों ने सरस्वती शिशु मंदिर के पास घेराबंदी कर पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पेंड्रा पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और ट्रेलर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद मुख्य मार्ग पर कुछ समय के लिए चक्काजाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई थी. और यातायात प्रभावित हुआ था, जिसे पुलिस ने सूझबूझ से व्यवस्थित कराया। इस हादसे ने एक बार फिर क्षेत्र में भारी वाहनों की बेकाबू रफ्तार और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

परसवानी जंगल में अतिक्रमण को लेकर बवाल
कार्रवाई की मांग पर वन अमले को ग्रामीणों ने घंटों रोका

धमतरी, 15 जुलाई (हाईवे चैनल)। जिले के नगरी वन परिक्षेत्र के परसवानी जंगल में अवैध अतिक्रमण को लेकर मंगलवार को तनावपूर्ण स्थिति बन गई। जंगल की भूमि पर ट्रैक्टर से जोताई कर खेती किए जाने की सूचना पर वन विभाग की करीब 20 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची। जहां अतिक्रमणकारियों से विभाग की टीम द्वारा समझाईश दी गई। साथ ही अतिक्रमण नहीं हटाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जानकारी दी। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों व वन प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विभाग की टीम पर दबाव बनाया गया कि तत्काल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए जिस पर वन विभाग की टीम ने मौके पर ग्रामीणों को बताया कि तत्काल बलपूर्वक अतिक्रमण हटाने के बजाये नियमानुसार नोटिस जारी कर कब्जा हटाने की समय दिया गया। साथ ही जवाब देने का समय दिया जाता है इसके पश्चात नियमो का पालन करते हेतु भविष्य में कब्जा हटाया जा सकता है। लेकिन ग्रामीण कब्जा तुरंत हटाने की मांग पर अड़े रहे इसके पश्चात विभाग द्वारा अतिरिक्त बल मौके पर भेजा गया फिर दोनो पक्षो को समझाईश दी गई। इस दौरान ग्रामीणों और कथित अतिक्रमणकारियों के बीच विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई। हालात को देखते हुए पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। पुलिस की मौजूदगी में वन विभाग की टीम को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

"अतिक्रमण सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी जहां कुछ ग्रामीणों द्वारा तत्काल कब्जा हटाने की मांग को लेकर वन विभाग की टीम को रोका गया था ग्रामीणों को समझाईश दी गई है कि नियमानुसार कब्जा हटाने की कार्यवाही की जाएगी।"

श्रीकृष्ण जाधव
डीएफओ धमतरी